पाठ 1. श्रम महान है

मौखिक कार्य

(क) 1. कवि ने कविता में श्रम को महान बताया है।
2. श्रम करने से चेहरे पर चमक इसलिए आ जाती है क्योंकि इससे शरीर स्वस्थ रहता है तथा मन में भी आत्मसम्मान का भाव जागृत होता है।

लिखित कार्य

(ख) 1. श्रम करने वाला दुनिया में इज़्ज़त पाता है।
2. श्रम को कवि ने जप-तप तथा पूजा-ध्यान की उपाधियाँ दी हैं।
3. श्रम करने से व्यक्ति इच्छित वस्तु प्राप्त कर सकता है। उसका शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं। संसार में उसका मान-सम्मान बढ़ता है।
4. श्रम के दान को कवि ने सबसे बड़ा दान कहा है।
5. श्रम के कारण मनुष्य का मान-सम्मान तथा गरिमा बढ़ती है इसलिए लोगों ने बढ़-चढ़कर इसकी महिमा गाई है।
6. जो व्यक्ति श्रम के मूल्य को नहीं समझते, कवि ने उनको नादान कहा है क्योंकि श्रम के असंख्य लाभों को समझदार व्यक्ति तो अनदेखा नहीं कर सकता।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (क) 5. (ख)

(घ) 1. श्रम मनुष्य की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ उसके मान-सम्मान में भी वृद्धि करता है। इसलिए कवि उसे संसार में सबसे अधिक महान बता रहा है।
2. श्रम से सबका मान-सम्मान तथा महत्व बढ़ जाता है।

(ङ) 1. संज्ञा 2. विशेषण 3. सर्वनाम 4. क्रिया 5. संज्ञा 6. संज्ञा 7. संज्ञा

(च) 1. लोगों 2. बातें 3. कपड़े 4. चेहरे 5. महलों
6. घरों 7. किसानों 8. मज़दूरों

(छ) 1. दुनिया में अच्छे-बुरे सभी तरह के लोग हैं।
2. श्रम सबसे महान है।
3. श्रम का धन ही सच्चा धन है।
4. हमें स्वयं पर अभिमान नहीं करना चाहिए।
5. बल के आधार पर सच्ची विजय नहीं पाई जा सकती।
6. इस पुस्तक का मूल्य ₹ 300 है।

रचनात्मक कार्य

(ज) इन प्रश्नों को बच्चे स्वयं करें।

पाठ 2. चंपा का त्याग

मौखिक कार्य

(क) 1. महाराणा प्रताप अपने परिवार के साथ अरावली पर्वत के आँचल में रह रहे थे।
2. महाराणा प्रताप के परिवार में उनकी धर्मपत्नी गुणवती, उनकी पुत्री चंपा और उनका पुत्र सुंदर था।
3. जब चंपा ने सुंदर को बताया कि उसने दो-तीन दिनों से कुछ भी नहीं खाया है तो अपनी बहन की पीड़ा के बारे में सोचकर उसका मन दुखी हो गया और वह रोने लगा।
4. झोंपड़े के बाहर शिलाखंड पर बैठे महाराणा प्रताप मन-ही-मन भारत और मेवाड़ को स्वतंत्र कराने की बात सोच रहे थे। सहसा किसी के पैरों की आवाज़ सुनकर महाराणा प्रताप के विचारों का क्रम टूट गया।
5. जब चंपा झोंपड़े से बाहर आई तो एक जंगली बिलाव रोटियों पर झपटा और उन्हें मुँह में दबाकर चलता बना।
6. चंपा ने कहा, "पिता जी, क्या आप अपनी प्रतिज्ञा तोड़ देंगे? अकबर से संधि कर लेंगे? नहीं पिता जी, नहीं! वचन दीजिए, आप अकबर से संधि नहीं करेंगे।"

लिखित कार्य

(ख) 1. अकबर के सामने अपनी हार न स्वीकार करने के कारण महाराणा प्रताप को मेवाड़ छोड़ना पड़ा था इसलिए वह अरावली पर्वत के जंगलों में रहकर लोगों को मेवाड़ की स्वतंत्रता के लिए एकजुट कर रहे थे।
2. जब चंपा ने सुंदर को बताया कि उसने दो-तीन दिनों से कुछ भी नहीं खाया और अपने हिस्से की रोटियाँ रख छोड़ी हैं तो यह जानकर सुंदर चौंक उठा।
3. शिलाखंड पर बैठे महाराणा प्रताप मन-ही-मन भारत और मेवाड़ को स्वतंत्र कराने की बात सोच रहे थे।
4. ब्राह्मण वेशधारी व्यक्ति ने महाराणा प्रताप से कहा कि मैं ब्राह्मण हूँ। कई दिनों से भूखा हूँ।
5. महाराणा प्रताप ने अतिथि ब्राह्मण से कहा, "हे ब्राह्मण देवता, आप शिलाखंड पर बैठकर आराम करें। मैं वन में जा रहा हूँ। कहीं से कंदमूल और फल लाकर आपको भोजन कराऊँगा।"
6. चंपा ने कहा, "पिता जी, आप वन में न जाएँ। अतिथि ब्राह्मण को मैं भोजन कराऊँगी।"
7. मूर्च्छित चंपा को देख महाराणा प्रताप की आँखों में आँसू आ गए। उन्होंने अपना दुख प्रकट करते हुए कहा, "हे जन्मभूमि! मेरे धैर्य का तार अब टूट गया। अब मैं अपनी प्रतिज्ञा तोड़ दूँगा, अकबर से संधि कर लूँगा।"
8. जिस आन की खातिर उनकी बेटी ने जान दे दी थी, उस आन को वे कैसे छोड़ सकते थे। अतः महाराणा प्रताप ने अकबर की मित्रता स्वीकार नहीं की।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (ख) 5. (क) 6. (क)

(घ) 1. सुंदर ने अपनी बहन चंपा से
2. चंपा ने अपने पिता महाराणा प्रताप से
3. अकबर ने महाराणा प्रताप से

(ङ) 1. व्यक्तिवाचक 2. जातिवाचक 3. व्यक्तिवाचक 4. जातिवाचक
5. व्यक्तिवाचक 6. व्यक्तिवाचक 7. जातिवाचक 8. जातिवाचक
9. व्यक्तिवाचक

(च) 1. स्वतंत्रता 2. आतिथ्य 3. दासता 4. भूख
5. सज्जनता 6. मित्रता 7. गहराई 8. ऊँचाई

(छ) 1. स्वतंत्र 2. उठना 3. भीतर 4. जोड़ना
5. पूरी 6. शत्रुता 7. जुड़ना 8. अस्वीकार

(ज) 1. महा + राणा – महाराज 2. धर्म + पत्नी – धर्मात्मा
3. शिला + खंड – शिलालेख 4. अ + तिथि – अटूट
5. स्व + तंत्र – स्वराज 6. जन्म + भूमि – जन्मदिन

(झ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(ञ) इन प्रश्नों के उत्तर बच्चे स्वयं दें।
– इससे उनकी कल्पना शक्ति का विकास होगा।

पाठ 3. ड्राइवर मेजरसिंह

मौखिक कार्य

(क) 1. भारत पर उसके पड़ोसी देश पाकिस्तान ने आक्रमण कर दिया था।
2. भारत सदा से शांतिप्रिय देश रहा है।
3. महिलाएँ फ़ौजी कैंपों पर पहुँचाने के लिए दिनभर रोटियाँ पकाती थीं।
4. मेजरसिंह एक ट्रक ड्राइवर था।
5. देश की रक्षा में शहीद हुए लोग मरकर भी अमर हो जाते हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. पाकिस्तान ने भारत पर 1 सितंबर 1965 को आक्रमण किया था।
2. पहली करारी चोट में ही वह जम्मू और कश्मीर में भारतीय सेना के पैर उखाड़ देना चाहती थी।
3. पंजाब में महिलाएँ दिनभर रोटियाँ पकातीं और उनके पति तैयार भोजन तथा अन्य आवश्यक चीज़ों को बैलगाड़ियों व ट्रकों में भरकर फ़ौजी कैंपों तक पहुँचाते थे। जिन लोगों के पास ट्रक थे, उन्होंने इस सेवा के लिए ट्रक दिए थे।
4. मेजरसिंह एक ट्रक ड्राइवर था। वह सेना की आवश्यकता की चीज़ें सेना के पास ठीक समय पर पहुँचाया करता था।
5. मेजरसिंह देश की इस लड़ाई में अपना योगदान देना चाहता था। उसकी सबसे बड़ी लालसा थी कि लाहौर पर भारत का तिरंगा फहरा दिया जाए।
6. बर्की पहुँचने का अर्थ था, भारतीय सेना का लाहौर के करीब पहुँच जाना। मेजरसिंह की सबसे बड़ी लालसा यही थी कि लाहौर पर भारत का तिरंगा फहरा दिया जाए। अत: भारतीय सेना के बर्की पहुँचने पर मेजरसिंह को बहुत प्रसन्नता हुई।
7. घमासान युद्ध के बीच से मेजरसिंह अपना ट्रक लेकर मस्ती से भरा गीत गाता बर्की की ओर बढ़ रहा था। तभी अचानक उसका ट्रक पाकिस्तानी सेना की ओर से हो रही गोलाबारी का निशाना बन गया। देखते-ही-देखते मेजरसिंह का ट्रक धू-धूकर जल उठा और इस आग में ही झुलसकर वह शहीद हो गया।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (क) 5. (क)

(घ) 1. भारत ने लोगों को सत्य-अहिंसा का पाठ पढ़ाया और शांति के पथ पर चलना सिखाया। उसने कभी किसी से युद्ध नहीं किया। वह सदैव समझौते में विश्वास करता रहा। लेकिन जब-जब दुश्मनों की बुरी नज़र देश पर पड़ी, तब-तब इस देश का हर नागरिक सिपाही बनकर सामने आया और उसने देश की रक्षा के लिए अपनी जान की बाज़ी लगा दी।
2. यहाँ लेखक ने उन वीर सैनिकों के उत्साह की बात की है, जो हँसते-हँसते देश पर कुर्बान हो गए। पाकिस्तान के द्वारा किए आक्रमण का जवाब देने आगे बढ़े सैनिकों का मनोबल देश के हर व्यक्ति ने बढ़ाया था। जो जिस रूप में भी अपना योगदान दे सकता था, उसने दिया। महिलाएँ दिनभर रोटियाँ पकातीं और उनके पति

उन्हें सैनिकों तक पहुँचाते। इन लोगों के द्वारा दिया गया योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।

3. मातृभूमि की रक्षा में शहीद होने वाले वीरों को कोई भुला नहीं पाता। वे लोग इतिहास में अमर हो जाते हैं।

(ङ) 1. पाकिस्तानी सेना ने बंदूकों, तोपों और टैंकों से लैस होकर हमला किया था।
2. पंजाब में दिनभर महिलाएँ रोटियाँ पकातीं और उनके पति ट्रकों पर सामान लादकर फ़ौजी कैंपों तक पहुँचाते थे।
3. आसमान में उड़ते जहाज़ जब-तब और जहाँ-तहाँ गोले गिरा रहे थे।
4. सड़कों पर सुरंगें बिछी थीं और पाकिस्तानी सेना गोलियाँ बरसा रही थी।

(च) 1. उनका 2. मुझे 3. वह 4. तुमने 5. उनका 6. वहाँ

(छ) 1. स्त्रीलिंग 2. स्त्रीलिंग 3. पुल्लिंग 4. पुल्लिंग 5. स्त्रीलिंग 6. पुल्लिंग

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. इसे बच्चे स्वयं करें।
- बोलते समय बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दें।
- अशुद्ध उच्चारण को शुद्ध करके बताएँ।
- प्रत्येक बच्चे को अपने विचार अभिव्यक्त करने का अवसर दें।
- मौखिक अभिव्यक्ति के बाद बच्चों को उसे अपनी कॉपी में लिखने को कहें।

2. इसे बच्चे स्वयं करें।

पाठ 4. हिम्मती सुमेरा

मौखिक कार्य

(क) 1. सुमेरा के पिता कुली थे। वे बस-अड्डे पर माल ढोने का काम करते थे।
2. सुमेरा के पिता को लकवा मार गया था।
3. सुमेरा ने अपने मास्टर साहब से रुपये उधार माँगे थे।
4. राजनिवास में राजा साहब रहते थे।

लिखित कार्य

(ख) 1. सुमेरा बहुत हिम्मती और परिश्रमी था।
2. सुमेरा के पिता ने उसे सिखाया था कि जीवन को सच्चाई और ईमानदारी से जीना चाहिए। यही नहीं, उसके नन्हे मन में पिता ने यह बात गहरे बैठा दी थी कि चोरी, झूठ और बेईमानी से बढ़कर कोई पाप दुनिया में नहीं है।
3. सुमेरा के पिता को लकवा मार गया था। अतः छोटी-सी उम्र में ही सारे घर का भार उसपर आ गया था।
4. उसने जीवन चलाने के लिए सब्ज़ी या फल बेचने का निश्चय किया।
5. पहले दिन सुमेरा ने बाज़ार में छत्तीस रुपये के संतरे बेच लिए थे। चार संतरे बच भी गए थे। वे चार संतरे वह बापू के खाने के लिए ले गया। वह मन-ही-मन सोच रहा था कि छत्तीस रुपयों में से तीस रुपये वह कल के लिए रख देगा। एक रुपया उधार चुकाने का अलग रखेगा। पाँच रुपये में वह घर के लिए आटा-दाल लेकर जाएगा। अपनी इस उपलब्धि पर सुमेरा बहुत प्रसन्न हो रहा था।
6. कमेटी की गाड़ी आने पर सब लोग यहाँ-वहाँ भाग गए। सुमेरा जहाँ-का-तहाँ बैठा रहा। चार-पाँच लोग गाड़ी से नीचे उतरे और उसका सारा सामान उठाकर ले गए।
7. सुमेरा जब राजा साहब से मिलने गया तो पहरेदारों ने उसे उनसे मिलने न दिया। उसका मन बड़ा दुखी हुआ। उसने यह निश्चय किया कि वह आज राजा साहब से मिले बिना नहीं जाएगा। ड्राइवर ने गाड़ी रोककर उसे फटकारा और दरबान ने उसे खींचकर अलग करना चाहा तो उसने सभी का विरोध किया और 'राजा साहब, आपको मेरी बात सुननी ही होगी' कहकर सुबकने लगा। राजा साहब उससे प्रभावित हो गए और उन्होंने उसे भीतर बुला लिया।
8. राजा साहब ने सुमेरा को काम करने का लाइसेंस दिया। साथ में सौ रुपये भी दिए जिससे वह अपना काम शुरू कर सकता था।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (क) 5. (क) 6. (क)

(घ) 1. (7) 2. (3) 3. (9) 4. (6) 5. (5) 6. (1)
7. (4) 8. (8) 9. (2)

(ङ) 1. मास्टर साहब ने सुमेरा से कहा – मास्टर साहब उसके कहने के ढंग पर चकित हो गए थे। बच्चे का साहस देख उन्होंने उसे इनाम देना चाहा।
2. बाज़ार में बगल में बैठे आदमी ने सुमेरा से कहा – सुमेरा ने साइकिल पर आए व्यक्ति को दो रुपये देने से इनकार कर दिया था।

3. सुमेरा ने राजा साहब से – राजा साहब ने उसे तीस रुपये की जगह सौ रुपये दिए थे।
4. राजा साहब ने सुमेरा से – सुमेरा की सहायता कर वे उसे प्रोत्साहन देना चाहते थे।

(च) 1. भाववाचक संज्ञा 2. विशेषण 3. विशेषण
4. भाववाचक संज्ञा 5. विशेषण 6. विशेषण

(छ) 1. समान – एक जैसा, बराबर – लड़का और लड़की एक समान हैं।
सामान – वस्तु – अपना सामान सँभालकर रखो।
2. दिन – दिवस – मैं छुट्टी के दिन खेलने जाता हूँ।
दीन – गरीब – उस दीन को कुछ खाने को दो।

(ज) 1. पितृ 2. नृप 3. मनुष्य 4. संसार

(झ) 1. जमाना/जमवाना 2. खिलाना/खिलवाना 3. मिलाना/मिलवाना
4. पढ़ाना/पढ़वाना 5. लगाना/लगवाना 6. भगाना/भगवाना
7. दिलाना/दिलवाना 8. लौटाना/लौटवाना

रचनात्मक कार्य

(ञ) 1. इसे बच्चे स्वयं करें। बच्चे अपने-आप को सुमेरा की जगह पर रखकर सोचें। जो बातें मन में आएँ उन्हें अलग-अलग बिंदुओं में लिख लें।
2. बच्चे अपनी कल्पना से इसका उत्तर लिखें।

पाठ 5. बचपन के दिन

रचनात्मक गतिविधि – 1

(क) मौखिक अभिव्यक्ति

1. अध्यापक/अध्यापिका कक्षा में चर्चा आयोजित करें।
2. इसे छात्र स्वयं करें।
3. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - बच्चों के मौखिक परीक्षण के लिए यह विषय रखा जा सकता है।
   - अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को प्रोत्साहित करें।
4. कक्षा में बच्चे इस विषय पर पूर्ण हाव-भाव सहित चर्चा करेंगे।
   - अध्यापक/अध्यापिका बच्चों के विचार जानें।
   - मेजरसिंह का चरित्र क्यों विशिष्ट है, इसपर चर्चा करें।
   - मुख्य बिंदु श्यामपट्ट पर लिखें।
5. बच्चे मौखिक रूप से घटना को कक्षा में सुनाएँ।
   - यदि अपने जीवन की ऐसी कोई घटना न हो तो किसी मित्र के जीवन की या आँखों देखी घटना के बारे में सुना सकते हैं।
   - काल्पनिक घटना भी सुना सकते हैं।

(ख) लिखित अभिव्यक्ति

1. इसे बच्चे स्वयं करें।
2. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - बच्चों को किसी ट्रक ड्राइवर का साक्षात्कार लेने को कहें।
   - उन्हें कक्षा में प्रश्न बनाने को कहें।
   - यदि साक्षात्कार लेना संभव न हो तो कल्पना का सहारा भी ले सकते हैं।
   - कुछ बच्चों के साक्षात्कार कक्षा में पढ़कर सुनाएँ।
3. बच्चे अपने जीवन की किसी घटना का वर्णन करें।
   - यदि ऐसी कोई घटना न घटी हो तो कल्पना का सहारा लें।
   - इस विषय पर कक्षा में चर्चा भी की जा सकती है।

(ग) क्रियाकलाप

1. इसे बच्चे स्वयं करें।
2. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - बच्चों के चार/पाँच या छह समूह बनाएँ।
   - हर बच्चे को उसकी रुचि के अनुसार भिन्न-भिन्न ज़िम्मेदारी दें।
3. बच्चे घर में अपनी माँ से इसके बारे में जानकारी प्राप्त करें। जानकारी प्राप्त करने के बाद उसे घर से लिखकर लाएँ।
4. यह पुस्तकालय से संबंधित गतिविधि है।
   - बच्चे इतिहास से संबंधित पुस्तकों से या इंटरनेट से यह जानकारी प्राप्त करेंगे।

- बच्चों को अपने इतिहास के अध्यापक/अध्यापिका से सहायता लेने को कहें।

5. बच्चे इतिहास या सामान्य ज्ञान से संबंधित पुस्तकों से या इंटरनेट से यह जानकारी प्राप्त करेंगे।
   - बच्चों को इंटरनेट से जानकारी प्राप्त करने को कहें।
   - इससे बच्चों को कंप्यूटर के साथ जोड़ा जा सकेगा।
6. बच्चों से घटना के साथ चित्रों का भी संकलन करने को कहें। इस प्रकार उनकी चित्र एवं दृश्य संबंधी बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - 26 जनवरी पर पुरस्कृत बच्चों के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
   - इस तरह के बच्चों की साहसिक कथाएँ पुस्तक के रूप में भी उपलब्ध हैं।
   - बच्चों को पुस्तकालय ले जाएँ।
7. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका संवाद-लेखन का तरीका बच्चों को समझाएँ।
   - मंच सज्जा तथा आवश्यक निर्देश कैसे दिए जा सकते हैं, यह भी समझाएँ।
   - संभव हो तो दो बच्चों को साथ मिलकर संवाद मौखिक रूप से सुनाने को कहें।

पाठ 6. एक बूँद

मौखिक कार्य

(क) 1. बूँद के मन में प्रश्न उठ रहा था कि अब आगे उसके भविष्य का क्या होगा। वह बच जाएगी या धूल में मिल जाएगी। किसी अंगारे पर गिरकर समाप्त हो जाएगी या कमल के फूल पर जाकर गिर पड़ेगी।

2. हवा के साथ बूँद अनमने भाव से समुद्र की ओर चल पड़ी।

3. जब किसी कारण लोगों को अपना घर छोड़कर बाहर निकलना पड़ता है, तब वे बुरे परिणाम या असफलता की आशंका से झिझकते हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. बूँद बादलों की गोद से निकलकर आ रही थी।

2. बूँद अपने जी में पछता रही थी कि वह बादलों की गोद छोड़कर क्यों निकल पड़ी।

3. बूँद अपने मन में कल्पना करने लगी कि न जाने भगवान ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है। मैं बचूँगी या धूल में मिल जाऊँगी। मेरा अंत किसी अंगारे पर गिरकर जलने से होगा या किसी कमल के फूल पर जा गिरूँगी।

4. बूँद हवा के साथ समुद्र की ओर चल पड़ी। वहाँ एक सुंदर सीप का मुँह खुला था। उसमें गिरकर वह मोती बन गई।

5. कवि की राय यह है कि घर छोड़कर कर्म करने के लिए बाहर निकलना सदैव हमें कोई-न-कोई अनुभव देता है। अत: हमें घर छोड़ते समय झिझकना नहीं चाहिए। कवि बूँद का उदाहरण देकर कहते हैं कि अपने भविष्य को लेकर परेशान बूँद उस सीप में जाकर गिरी, जहाँ उसने सुंदर मोती का स्वरूप पाया। उसी प्रकार हम सभी के साथ बूँद के समान कुछ-न-कुछ अच्छा ही होता है।

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क)

(घ) घर से निकल रही बूँद के मन में कुछ प्रश्न उठते हैं। वह भगवान को याद करते हुए सोच रही है कि न जाने आज मेरे भाग्य में क्या लिखा है। मैं बचूँगी या मेरा अस्तित्व धूल में मिल जाएगा। जब भी मनुष्य घर से बाहर निकलता है तो अनेक प्रश्न उसके मन में उठते हैं। कवि इसी बात को बूँद के माध्यम से साबित कर रहे हैं।

(ङ) 1. कढ़ी 2. फूल 3. बनी 4. कर

(च) 1. पंकज, जलज, राजीव 2. सिंधु, जलधि 3. गृह, सदन, आलय
4. जलधर, घन, पयोद, मेघ 5. प्रभु, ब्रह्म, ईश 6. पवन, मारुत, वायु

(छ) 1. वह – अन्य पुरुषवाचक 2. मैं – उत्तम पुरुषवाचक
3. तुम्हारे – मध्यम पुरुषवाचक 4. उन्होंने – अन्य पुरुषवाचक
5. हमने – उत्तम पुरुषवाचक 6. उसका – अन्य पुरुषवाचक
7. उनको – अन्य पुरुषवाचक 8. तुमने – मध्यम पुरुषवाचक

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. इसे बच्चे स्वयं करें। 2. इसे बच्चे स्वयं करें।

पाठ 7. कर्तव्यनिष्ठा

मौखिक कार्य

(क) 1. ज़फर मियाँ एक नाई हैं और वे लोगों की हजामत बनाते हैं।
2. कुर्सी पर बैठकर लेखक ज़फर मियाँ द्वारा लगन से बाल काटना और हजामत बनाना देख रहे हैं।
3. मज़दूर को देखकर ज़फर मियाँ सोचने लगे कि शायद यह पाँच-सात दिन से नहीं नहाया।
4. मज़दूर के बाल काटने के बाद ज़फर मियाँ ने ब्रुश उठाया और हजामत पर जुट गए।
5. ज़फर मियाँ के काम को देखकर उनकी काम के प्रति श्रद्धा व ईमानदारी का पता चलता है।

लिखित कार्य

(ख) 1. लेखक जब ज़फर मियाँ के सैलून पर पहुँचे तो ज़फर मियाँ एक आदमी की हजामत बना रहे थे।
2. लेखक ने सोचा कि यह शायद पाँच-सात दिन से नहीं नहाया। बालों में उसके रेत भी है और बुरादे से उसकी गर्दन काली चीकट हो रही है। और तो और, मुँह पर भी धूल है, पर ज़फर साहब बड़ी लगन से उसके बाल काट रहे हैं, जैसे वह नूरजहाँ का सगा भाई हो।
3. ज़फर मियाँ बड़ी लगन के साथ मज़दूर के बाल काट रहे थे। कभी कंघे से नापते, कभी कैंची से और फिर 'फुरक-फुरक' दो-चार कैंची मारते।
4. ज़फर मियाँ का ध्यान इस ओर नहीं है कि मज़दूर उनकी इस कारीगरी को समझ नहीं पाएगा। वह इस स्थिति में भी नहीं है कि इन बालों को ठीक से रख सके।
5. लेखक अपनी सोच में इतने मशगूल थे कि ज़फर मियाँ ने उनके बाल कब काट दिए, यह उन्हें पता ही नहीं चला। जब ज़फर मियाँ बोले कि लो सरकार, आपके बाल कट गए तो लेखक चौंक पड़े।
6. लेखक के अनुसार जीवन-वेद की ऋचा है – हर एक नागरिक में अपने काम के लिए एक चाव, श्रम के प्रति श्रद्धा और पेशे के प्रति ईमानदारी के इस भाव का जागरण।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क) 5. (क)

(घ) 1. मज़दूर के बाल काटते समय ज़फर मियाँ की तल्लीनता को देखकर लेखक ने कहा, "ज़फर मियाँ! तुम तो उस मज़दूर से ऐसे लिपटे, जैसे ज़िले का कलक्टर ही तुम्हारी दुकान पर आ बैठा हो।" इसपर ज़फर मियाँ ने कहा कि इस कुर्सी पर जो बैठता है, वही कलक्टर है। ज़फर मियाँ के द्वारा दिया गया जवाब लेखक को बहुत अच्छा लगा।
2. इन पंक्तियों में लेखक प्रत्येक व्यक्ति से अपने कर्म के प्रति अटूट श्रद्धा रखने का आग्रह कर रहे हैं। जिस देश के लोग अपने पेशे के प्रति ईमानदार रहकर उसे जीवन में उतारते हैं, वह देश या राष्ट्र उन्नति के पथ पर आगे बढ़ता चला जाता है।

(ङ) 1. प्याला 2. जवाब 3. कारीगरी
4. तल्लीनता 5. स्मृतियों 6. राष्ट्र

(च) 1. के 2. की 3. का 4. का 5. का, की

(छ) 1. स्त्रीलिंग 2. पुल्लिंग 3. स्त्रीलिंग 4. पुल्लिंग 5. पुल्लिंग 6. पुल्लिंग

(ज) 1. सकर्मक 2. अकर्मक 3. सकर्मक 4. सकर्मक 5. अकर्मक

रचनात्मक कार्य

(झ) बच्चे अपने निजी अनुभव बता सकते हैं।

- इसके माध्यम से बच्चों की अवलोकन क्षमता को आँका जा सकता है।
- उनमें वस्तु या स्थान का चित्रण करने की क्षमता को उजागर किया जा सकता है।

पाठ 8. बेटे की वापसी

मौखिक कार्य

(क) 1. छोटा बेटा हमेशा यात्राओं और संसार भ्रमण के सपने देखा करता था।
2. छोटे बेटे ने पिता से उसे उसका हिस्सा देने के लिए कहा क्योंकि वह साधारण किसान बनकर जीवन नहीं बिताना चाहता था।
3. पैसे खत्म होने पर छोटे बेटे के सब मित्रों ने उसका साथ छोड़ दिया। उसे सुअरों की रखवाली का काम करना पड़ा।
4. यह यात्रा उसके लिए बड़ी कष्टदायी थी। कई रातों तक उसे खाने के लिए भी कुछ नहीं मिला। उसे भूख-प्यास से तड़पना पड़ा।
5. बड़ा बेटा अपने पिता से इसलिए नाराज़ हो रहा था क्योंकि वे उसके स्थान पर अपने उस छोटे बेटे का भव्य स्वागत कर रहे थे जो उनसे लड़कर अलग हो गया था तथा जिसने अपना सब धन व्यर्थ के कामों में गँवा दिया था।

लिखित कार्य

(ख) 1. किसान का बड़ा बेटा कड़ी मेहनत कर पिता की सहायता किया करता था जबकि छोटा बेटा बहुत अधीर प्रकृति का था।
2. छोटे बेटे ने पिता के सामने उसे उसका हिस्सा दे देने का प्रस्ताव रखा ताकि वह कहीं और जाकर काम की तलाश कर सके।
3. पिता ने अपने बेटे का प्रस्ताव भारी मन से स्वीकार कर लिया।
4. धन-दौलत पाकर छोटे बेटे ने शाही जीवन जीना शुरू कर दिया। उसने खूब यात्राएँ कीं, खूब दोस्त बनाए और दावतें दीं। उसने अपना सारा धन बर्बाद कर दिया।
5. पैसा समाप्त होने पर छोटे बेटे के सब दोस्तों ने उसे अकेला छोड़ दिया। वह पढ़ा-लिखा नहीं था, उसे कोई काम भी करना नहीं आता था। इसलिए अपनी गुजर-बसर का इंतज़ाम करना भी उसके लिए मुश्किल हो गया। आखिर उसे सुअरों की रखवाली का काम करना पड़ा। जहाँ पूरे दिन काम करके भी उसे भरपेट भोजन तक भी न मिल पाता था।
6. अंत में छोटे बेटे ने अपने घर वापस लौटने और अपनी मूर्खताओं के लिए अपने पिता जी से माफ़ी माँगने का निर्णय लिया।
7. छोटे बेटे का स्वागत करते देख बड़े बेटे ने नाराज़ होकर अपने पिता जी से कहा कि वे छोटे भाई का स्वागत और उसकी दावत क्यों कर रहे हैं, जबकि उसने अपना सारा धन और घर का मान-सम्मान नष्ट कर दिया है। उन्होंने बड़े बेटे के लिए यह सबकुछ कभी भी नहीं किया जबकि उसने सदा अपने पिता जी की आज्ञा का पालन किया था और उनके खेतों में खूब परिश्रम भी किया था।
8. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हम सभी से कभी भी गलती हो सकती है, परंतु हमें उसे स्वीकार करने और सुधारने के लिए सदा तैयार रहना चाहिए। साथ ही हमें दूसरों की गलतियों के प्रति भी क्षमाशील बनना चाहिए।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क) 5. (ख)

(घ) 1. खूबसूरत 2. कंगाल 3. सुअरों 4. नौकरों 5. किस्मत 6. उन पापियों

(ङ) 4. 5. 2. 6. 3. 8. 7. 1.

(च) हर्ष – 1. वर्ष 2. उत्कर्ष 3. स्पर्श 4. सहर्ष 5. फर्ज 6. कर्ज
7. तर्ज़ 8. सूर्य 9. पर्स 10. माधुर्य

क्रोध – 1. प्रसिद्ध 2. क्रम 3. प्रथम 4. प्रहरी 5. प्रश्न 6. प्रहार
7. प्रहर 8. ग्रीष्म 9. भ्रम 10. भ्रमण

(छ) 1. किसान – क् + इ + स् + आ + न् + अ

2. यात्रा – य् + आ + त् + र् + आ

3. नौकर – न् + औ + क् + अ + र् + अ

4. आश्चर्य – आ + श् + च् + अ + र् + य् + अ

5. बर्बाद – ब् + अ + र् + ब् + आ + द् + अ

6. क्षमा – क् + ष् + अ + म् + आ

(ज) 1. अधीर 2. असाधारण 3. असंतोष 4. असीमित 5. असमय
6. अशुद्ध 7. असफल

रचनात्मक कार्य

(झ) बच्चे स्वयं करें।

पाठ 9. विद्‌यादान

मौखिक कार्य

(क) 1. ईश्वरचंद्र जब बाज़ार जा रहे थे तो उनके पास एक भिखारी बालक पैसे माँगने आया।
2. बालक ने ईश्वरचंद्र से एक आना माँगा।
3. बालक ने कभी भीख न माँगने का निश्चय किया।
4. युवक ने ईश्वरचंद्र विद्‌यासागर से कहा कि मैं वही बालक हूँ जिसे आपने रुपया देकर परिश्रम करने की शिक्षा दी थी। मैंने तभी से भीख न माँगने का निश्चय किया और आज जो भी हूँ वह केवल आपकी दया से हूँ।
5. ईश्वरचंद्र विद्‌यासागर ने युवक को दूसरों की सहायता कर, उनकी गरीबी दूर करने का प्रयत्न करने को कहा।
6. ईश्वरचंद्र विद्‌यासागर ने संस्कृत व्याकरण की पुस्तक लिखी।

लिखित कार्य

(ख) 1. ईश्वरचंद्र विद्‌यासागर का जन्म बंगाल में मिदनापुर ज़िले के वीरसिंह गाँव में हुआ था।
2. उनके पिता का नाम ठाकुरदास बंदोपाध्याय तथा माता का नाम भगवती देवी था।
3. ईश्वरचंद्र ने भिखारी बालक से कहा कि यदि तुम्हें एक आने से अधिक पैसे मिल जाएँ तब क्या करोगे?
4. ईश्वरचंद्र द्‌वारा दिए गए एक रुपये से उस युवक ने परिश्रम करके सामान बेचते-बेचते दुकान खोल ली। यदि ईश्वरचंद्र उस समय उसकी सहायता न करते तो वह गली-गली भीख माँगने वाला भिखारी ही बना रहता। एक रुपया और परिश्रम की शिक्षा देकर ईश्वरचंद्र विद्‌यासागर ने उसके जीवन को सँवार दिया।
5. लड़कियों की शिक्षा के लिए ईश्वरचंद्र गली-गली, मोहल्ले-मोहल्ले घूमे। विद्‌यालय के लिए दान एकत्रित किया। उनके लिए विद्‌यालय खुलवाए और उनमें योग्य अध्यापक रखे। विद्‌यादान के लिए उन्होंने नौकरी भी छोड़ दी और अपना सब कुछ विद्‌या के लिए दान दे दिया।
6. वे चाहते थे कि पुस्तकें सरल और रुचिकर हों ताकि बच्चे कठिन-से-कठिन विषय को भी चाव से पढ़ें।
7. पहले जिस उम्र में लड़कियों को विवाह के बंधन में बाँध दिया जाता था, उस उम्र में अब वे उच्च शिक्षा ग्रहण करने लगीं। कई लड़कियों ने विदेशों में अपने देश का मान बढ़ाया।
8. ईश्वरचंद्र विद्‌यासागर ने बाल-विवाह रोकने का जी-तोड़ प्रयास किया। परिणामस्वरूप अब लड़कियाँ बड़ी उम्र में भी पढ़ाई करने लगीं।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख) 5. (क)

(घ) 1. बालक ने ईश्वरचंद्र विद्‌यासागर से कहा – वह बालक विवशता के कारण भीख माँग रहा था जबकि वह अपने जीवन को परिश्रम के साथ जीना चाहता था।

2. युवक ने ईश्वरचंद्र विद्यासागर से कहा – क्योंकि ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने उसे पहचानने से इनकार कर दिया था।

(ङ) 1. मरण 2. अप्रसन्नता 3. अशिक्षा
4. अपवित्र 5. अपमान 6. निराकार

(च) 1. लड़की 2. बालकों 3. नौकरियाँ
4. पुस्तिका 5. गलियाँ 6. मोहल्ले

(छ) 2. खाओ 3. जाओ 4. पढ़ो 5. खेलो 6. गाओ

(ज) 1. जो पैसे दूँगा उसका क्या लोगे?
2. बालक का मन प्रसन्नता से भर गया।
3. अरे बाबू! पहचाना नहीं मुझे?
4. तुम्हें यहाँ आने में देर क्यों हुई?
5. वे किसी की पीड़ा नहीं देख सकते थे।
6. उन्होंने लड़कियों के लिए विद्यालय खुलवाए।
7. शाबाश! मुझे यही उम्मीद थी।

(झ) 1. भिखारी 2. दानी 3. दयावान 4. अध्यापक 5. वार्षिक

(ञ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(ट) 1. बच्चे स्वयं कहानी के भिन्न रूप की कल्पना करें।
2. अध्यापक/अध्यापिका बच्चों के विचार जानें।
- अपने विचारों से बच्चों को अवगत कराएँ।
- समाज में आवश्यक परिवर्तनों पर चर्चा करें।
- बाल मज़दूरी, छुआछूत, बढ़ती गरीबी जैसे विषयों पर चर्चा करें।

पाठ 10. चिड़िया चली चाँद के देश

रचनात्मक गतिविधि – 2

(क) मौखिक अभिव्यक्ति

1. बच्चे अपने सामाजिक विज्ञान के अध्यापक/अध्यापिका से जानकारी प्राप्त करें।
   - वे इंटरनेट का प्रयोग भी कर सकते हैं।
   - अपनी शोध के बारे में वे कक्षा में चर्चा करें।
2. बच्चों से चर्चा करें और उन्हें बोलने का अवसर दें।
   - उनके उच्चारण और हाव-भाव पर ध्यान दें।
   - अशुद्ध उच्चारण को शुद्ध करके बताएँ।
   - इससे बच्चों की भाषण कला में सुधार होगा।
3. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - बच्चे अपने आस-पड़ोस के किसी व्यक्ति या संबंधी के बारे में बता सकते हैं।
   - इससे उनकी मौखिक अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास होगा।
4. इसे बच्चे स्वयं करें।
5. इसे बच्चे स्वयं करें।
6. इसे बच्चे स्वयं करें।

(ख) लिखित अभिव्यक्ति

1. बच्चे अपने जीवन लक्ष्य के बारे में बताएँ।
   - वे अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए क्या-क्या कर सकते हैं, यह भी बताएँ।
2. अध्यापक/अध्यापिका चिकित्सक के कार्य और उसकी ज़िम्मेदारी पर बच्चों से चर्चा करें।
   - चिकित्सक किस प्रकार अपने कर्तव्य का पालन कर सकता है?
   - तुम उससे क्या अपेक्षा रखते हो?
   - यदि तुम चिकित्सक बनोगे तो किस प्रकार अपना कर्तव्य पालन करोगे?
3. इसे बच्चे स्वयं करें।
4. बच्चों को पत्र लेखन का तरीका बताएँ।
   - श्यामपट्ट पर पत्र का नमूना बनाकर दिखाएँ।
   - औपचारिक व अनौपचारिक पत्र कैसे लिखते हैं, यह समझाएँ।
5. दिए गए विषय पर बच्चों से चर्चा करें।
   - परिश्रम के बल पर ऊँचाइयों को छूने वाले व्यक्तियों के उदाहरण दें।
   - चींटी के उदाहरण से परिश्रम के महत्व पर प्रकाश डालें। वह बार-बार ऊपर चढ़ने का प्रयास करती है और गिरती है फिर भी हार नहीं मानती और अंत में सफलता प्राप्त करती है।
   - अब बच्चों को अपने विचार व्यक्त करने का अवसर दें।

(ग) क्रियाकलाप

1. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से पहले स्वयं चर्चा करें।
   - बच्चे इंटरनेट के माध्यम से इस विषय पर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
2. बच्चे साक्षात्कार के लिए प्रश्नावली तैयार कर अध्यापक/अध्यापिका को दिखाएँ।
   - इसे एक परियोजना कार्य के रूप में भी कराया जा सकता है।
3. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को प्रोत्साहित करें।
   - उन्हें पर्यावरण के प्रति जागरूक करें।
   - बढ़ते प्रदूषण को किस प्रकार रोका जा सकता है, इस विषय पर चर्चा करें ताकि वे अच्छे नारे तैयार कर सकें।
4. इसे बच्चे स्वयं करें।

पाठ 11. साँप की मणि

मौखिक कार्य

(क) 1. जहाज़ कोलकाता से सात दिनों में कोलंबो पहुँचा।
2. लेखक के मित्र ने जब उन्हें साँप की मणि दिलाने का वादा किया तो उन्हें इस बात का विश्वास नहीं हुआ।
3. लेखक के दोस्त ने कहा कि मणि का पता चल गया।
4. जुगनू की चमक चंचल होती है, जो कभी दिखाई देती है और कभी गायब हो जाती है लेकिन साँप की मणि की रोशनी ठहरी हुई थी।

लिखित कार्य

(ख) 1. लेखक का कोलंबो जाने का विशेष मन था। रावण की लंकापुरी होने के कारण इस नगरी के प्रति उसका विशेष खिंचाव था। इसलिए वह कोलंबो जाना चाहता था।
2. साँप की मणि के बारे में लेखक ने केवल किस्से-कहानियों में ही सुना था। लेखक ने सुना था कि उसका मोल सात बादशाहों के बराबर होता है।
3. लेखक के दोस्त ने जानकारी दी कि अभी-अभी वह एक साँप को मणि से खेलते देखकर आया है। अगर इसी वक्त वहाँ जाया जाए तो मणि हाथ लग सकती है।
4. साँप की मणि प्राप्त करने के लिए बंदूक की जगह कीचड़ का इस्तेमाल किया गया।
5. मणि देखने के बाद भी लेखक को विश्वास इसलिए नहीं हो रहा था क्योंकि उन्होंने सुन रखा था कि एक मणि का मोल सात बादशाहों के बराबर होता है। यकायक उनके हाथ में इस प्रकार यह मणि आ जाएगी, इसका उन्हें विश्वास न था।
6. मणि के बारे में लेखक को पता चला कि यह एक प्रकार का पत्थर होता है, जो गर्म होकर अँधेरे में जलने लगता है। जब तक वह ठंडा नहीं हो जाता, वह इसी तरह रोशनी देता रहता है। साँप उसे दिन भर मुँह में रखता है ताकि वह गर्म ही रहे। रात को वह उसे किसी जंगल में निकालता है और उसकी रोशनी में कीड़े-मकोड़े खाता है।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क)

(घ) 1. गुणवाचक विशेषण
2. निश्चित संख्यावाचक विशेषण
3. निश्चित संख्यावाचक विशेषण
4. अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण
5. गुणवाचक विशेषण

(ङ) 1. हम 2. वे 3. खबरें 4. मणियाँ 5. मकोड़े
6. कहानियाँ 7. बंदूकें 8. चीज़ें

(च) 1. घबराहट 2. खड़खड़ाहट 3. चहचहाहट 4. मुसकुराहट
5. ठकठकाहट 6. हिनहिनाहट

रचनात्मक कार्य

(छ) 1. इसे बच्चे स्वयं करें।
2. प्रश्नावली बनाने में बच्चों की सहायता करें।
– उनमें आत्मविश्वास जगाएँ।

पाठ 12. निष्ठुर अनुकंपा

मौखिक कार्य

(क) 1. घर के सभी लोगों को खाना-पीना मिलना इसलिए मुश्किल हो गया था क्योंकि घर की पुरानी खानदानी इज़्ज़त के कारण कोई भी भाई बाहर काम करने नहीं जाता था। आमदनी का कोई साधन नहीं था। तथा पुराना सब धन नष्ट हो चुका था।

2. चारों भाई अपनी पुरानी खानदानी इज़्ज़त के कारण कोई काम नहीं करना चाहते थे।

3. उसके मन में विचार आया कि यह कितना अच्छा प्रतिष्ठित खानदान है। झूठी और बनावटी इज़्ज़त के खयाल से ये नौजवान लड़के खाने-पीने की तकलीफ़ बर्दाश्त करके इस मामूली सहिजन के पेड़ के भरोसे अपना गुजारा कर रहे हैं।

4. पेड़ के कट जाने पर बूढ़ी माँ ने कहा कि यह दुष्ट मेहमान कहाँ से आया था। यह रिश्तेदार नहीं, मेहमान नहीं, पिछले जनम का हमारा दुश्मन था। अगर उसे तरस आ रहा था तो आठ-दस मन अनाज भेज देता। हमारे परिवार के एकमात्र सहारे सहिजन को भी इसने क्यों काट डाला।

5. चारों भाइयों के नौकरी करने से घर की दरिद्रता जाती रही तथा घर की आर्थिक स्थिति ठीक हो गई।

लिखित कार्य

(ख) 1. चारों भाइयों के द्वारा काम न करने से परिवार की गरीबी बढ़ती गई तथा धीरे-धीरे उनको खाने-पीने के भी लाले पड़ने लगे।

2. घर के लोग सहिजन के पेड़ की फलियाँ तोड़कर बेच देते थे तथा उससे मिले पैसों से ही घर का खर्च चलाते थे।

3. वे लोग गरीब थे। घर में पूरा खाना नहीं था। इसलिए रिश्तेदार के साथ घर के सभी लोग खाना खाने नहीं बैठे।

4. सबके साथ बैठकर भोजन न करने से एक-दो बार में ही मेहमान ने उन लोगों की गरीबी का अनुमान लगा लिया। तब उसके मन में विचार आया कि कितना अच्छा प्रतिष्ठित खानदान है। झूठी और बनावटी इज़्ज़त के खयाल से ये नौजवान लड़के खाने-पीने की तकलीफ़ बर्दाश्त कर रहे हैं।

5. सब्ज़ीवाली जानती थी कि उसे सहिजन की फलियाँ बेचना उन लोगों की विवशता है, इसलिए उसने दाम और कम कर दिए। उसने कहा कि आजकल सहिजन की माँग नहीं है, बाज़ार में लाभ नहीं मिलता इसलिए अधिक कीमत नहीं दे सकती।

6. मेहमान ने चारों भाइयों को बाहर जाकर काम करने के लिए विवश करने के लिए सहिजन का पेड़ काट दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि चारों भाइयों ने काम ढूँढ़ा। वे कमाने लगे और उनके घर की स्थिति अच्छी हो गई।

7. बूढ़ी माँ ने मेहमान के प्रति अच्छा विचार व्यक्त नहीं किया। उसने कहा कि वह मेहमान नहीं पिछले जनम का दुश्मन था, जो उसने परिवार के एकमात्र सहारे

सहिजन को काट डाला।

8. मेहमान को विदा करते समय सभी भाइयों ने उसे धन्यवाद देते हुए कहा कि उस दिन सहिजन का पेड़ काटकर उसने उनकी बदकिस्मती को ही काटकर फेंक दिया। अगर वह उन पर तरस खाकर दस-पाँच मन अनाज उनके घर भेज देता तो वे और भी नीचे गिर जाते, पूरे बुज़दिल बन जाते। उसने उनके बगीचे का पेड़ गिराकर उनकी गिरी हुई किस्मत को ही ऊँचा उठा दिया।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख) 5. (ख)

(घ) 1. परिवार के बड़े बेटे ने सब्ज़ीवाली से।
2. सभी भाइयों ने मेहमान से।
3. सब्ज़ीवाली ने परिवार के बड़े बेटे से।

(ङ) 1. यह वाक्य मेहमान ने परिवार के विषय में सोचा था। अर्थात् उस परिवार के सदस्य सद्‌गुणी थे। उनमें झूठ बोलना या चोरी करना जैसे दुर्गुण नहीं थे। चारों भाई पढ़े-लिखे तथा गुणवान थे। बस समाज को दिखावा करने के लिए वे लोग अभी भी पहले की तरह धनवान हैं कोई काम करने नहीं जाते थे। इस बनावटी इज़्ज़त के चक्कर में वे बेचारे खाने-पीने की तंगी भी चुपचाप झेल रहे थे।

2. यह वाक्य मेहमान के विषय में है। सहिजन के पेड़ को काटने के कठोर कर्म के पीछे उसका इरादा वास्तव में बुरा नहीं बल्कि अच्छा ही था। वह उनको काम करने के लिए विवश करके उनकी आर्थिक स्थिति ही सुधारना चाहता था।

(च) 1. भूतकाल 2. भविष्यत् काल 3. भूतकाल
4. भविष्यत् काल 5. भूतकाल 6. भूतकाल

(छ) 1. किसी शहर में <u>कुलहीन</u> परिवार रहता था।
2. घर की <u>अमीरी</u> दिनोंदिन बढ़ रही थी।
3. मेहमान <u>उजाले</u> में वहाँ से चला गया।
4. वे जहाँ जाते लोग उनके साथ <u>बुरा</u> बर्ताव करते।

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चे अपनी कल्पना के आधार पर स्वयं उत्तर दें।

2. बच्चों को वृक्षों के लाभ बताएँ। पेड़ों की रक्षा करने व नए पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करें। मेहमान के पेड़ काटने के कारण पर बच्चों से चर्चा करें।

पाठ 13. दोहावली

मौखिक कार्य

(क) 1. हमें निंदक को अपने पास रखना चाहिए।
2. साबुन गंदगी को साफ़ करता है।
3. कस्तूरी हिरण की नाभि में मिलती है।

लिखित कार्य

(ख) 1. हमें सदैव मीठी वाणी बोलनी चाहिए, क्योंकि मीठी वाणी हमें भी अच्छी लगती है और सुनने वाले को भी आनंद आता है।
2. किसी भी बात की अति से बात बिगड़ सकती है। अति का प्रभाव अकसर नकारात्मक हो जाता है। अत: किसी बात की अति नहीं होनी चाहिए।
3. जब निंदक समीप रहेगा तो वह हमें हमारे भीतर छिपी गलतियों से अवगत कराएगा और हम उन गलतियों को दूर कर अपने-आप को बेहतर बना पाएँगे।
4. केवल किताबी ज्ञान मनुष्य को श्रेष्ठ नहीं बनाता। मनुष्य का व्यावहारिक होना भी उतना ही आवश्यक होता है। जब तक मनुष्य लोगों से प्रेमपूर्वक बात करना नहीं सीखता तब तक वह विद्वान नहीं कहलाता।
5. कवि कहते हैं कि जिस प्रकार हिरण की नाभि में कस्तूरी होने के बाद भी वह उसे पाने के लिए यहाँ-वहाँ भटकता रहता है उसी प्रकार हम सभी ईश्वर की खोज में यहाँ-वहाँ भटकते फिरते हैं जबकि उसका वास तो हमारे भीतर ही होता है।
6. हम जब दूसरों में बुराई ढूँढ़ने जाते हैं तो हमें पता चलता है कि हमारे अंदर ही इतनी अधिक बुराइयाँ हैं, जितनी किसी और में नहीं हैं।

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

(घ) इसे बच्चे स्वयं करें।

(ङ) 1. शीतल 2. पास 3. निर्मल 4. हुआ 5. अक्षर 6. कोई

(च) 1. पढ़वाना 2. दिखवाना 3. मिलवाना 4. करवाना

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से उनके विचार जानें।
- ईश्वर के अस्तित्व पर चर्चा करें।
- हमें दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए, चर्चा करें।

2. इसे बच्चे स्वयं करें।

पाठ 14. हमारे सहयोगी मित्र

मौखिक कार्य

(क) 1. पक्षियों के बिना यह दुनिया बहुत फीकी लगती।

2. कठफोड़वा पक्षी पेड़ों के तनों और शाखाओं के अंदर छिपे कीड़ों को चोंच से खोद-खोदकर खाता है। यह पक्षी ज़रा-सी देर में ढेरों कीड़े चट कर जाता है।

3. जब पक्षी फूलों के तल से मकरंद निकालता है, तब ऐसा करते समय फूलों के परागकण उसके परों और सिर पर चिपक जाते हैं। जब वह उड़कर किसी दूसरे पुष्प पर पहुँचता है तो उसके सिर और परों से गिरकर परागकण उस पुष्प पर पहुँच जाते हैं, जिसे बीज बनाने के लिए उनकी आवश्यकता होती है।

4. लेखक ने ऐसा इसलिए लिखा है क्योंकि हम इन परिंदों को अपने भोजन के लिए जाल लगाकर पकड़ते हैं या उन्हें पालते हैं और इच्छा होने पर बड़े चाव से काटकर खाते हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. पक्षी बहुत सुंदर जीव हैं। वे हमेशा व्यस्त लगते हैं, यहाँ से वहाँ उड़ते हुए। कभी फुदकेंगे, कभी दौड़ेंगे, कभी चहचहाएँगे और कभी सुरीली तान छेड़ देंगे। कभी पानी में छपछपाएँगे तो कभी अपने को सँवारने लगेंगे। इन प्यारी आदतों और खुशी से भरी चहचहाहट के कारण पक्षी हमें इतने अच्छे लगते हैं। निश्चित ही इनके बिना दुनिया फीकी नज़र आती।

2. अबाबील बहुत सुंदर होते हैं। लंबे, नुकीले पंख और दोशाखी पूँछवाले ये पक्षी अधिकतर उड़ते ही रहते हैं – हवा में मचलते, कलाबाज़ियाँ खाते, सारे समय चहचहाते रहते हैं।

3. पक्षी हमारे मित्र हैं। ये कीड़े-मकोड़ों का नाश करके हमारी बड़ी सहायता करते हैं।

4. बबीले पक्षी बड़ी तेज़ी से चक्कर काटते रहते हैं, थकते कभी नहीं। इनकी पहचान इनके पंख हैं, जो बहुत लंबे और गोलाई लिए हुए संकरे होते जाते हैं। शरीर व पैरों का रंग इकसार सुरमई भूरा होता है। बबीले बाकी तमाम पक्षियों से ज़्यादा उड़ाकू होते हैं। ज़मीन पर बहुत कम उतरते हैं, तेज़ी से उड़ते रहते हैं और राह में मिलने वाली मक्खियों और मच्छरों को हड़प करते जाते हैं।

5. खेतों, जंगलों, फूलों और फलों के बाग-बगीचों में हर जगह कीड़ों की सेना पेड़-पौधों का सफ़ाया करती रहती है। इनकी संख्या इतनी तेज़ी से बढ़ती है कि अगर इनकी रोकथाम न की जाए तो ये एक पत्ती भी न छोड़ें और सारा संसार रेगिस्तान बन जाए। पक्षी इन्हीं कीड़ों से हमारी रक्षा करते हैं।

6. चील, गिद्ध, बाज शिकारी पक्षी हैं। ये पक्षी फ़सल को नुकसान पहुँचाने वाले जंगली चूहे-चुहियों को खा जाते हैं। ये उन साँपों तथा अन्य जंतुओं को मार डालते

हैं, जो पक्षियों के अंडे-बच्चों को खा जाते हैं। ये उन जानवरों तथा कीड़ों को खा जाते हैं, जिनमें रोगाणु पाए जाते हैं। मरे जानवरों को खाकर और गंदगी को हटाकर वे हमारी सड़कों और गाँवों को साफ़ करते हैं।

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (क)

(घ) 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. गलत 5. सही

(ङ) 1. ये 2. वे 3. इस 4. इन 5. वह 6. इसी

(च) 1. विज्ञान, विनाश, विकास, विवाद 2. अधर्म, अन्याय, अदृश्य, अभाव

(छ) 1. क्या 2. क्या 3. कौन 4. किसे 5. क्या 6. किसने

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से इस प्रश्न का उत्तर जानें।
- आवश्यक बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखें।
- कुछ बिंदु अध्यापक/अध्यापिका अपनी तरफ़ से भी बताएँ।
- प्रकृति रंगहीन हो जाती।
- पेड़-पौधों को कीड़े खा जाते।
- पृथ्वी हरी-भरी नहीं हो पाती।
- जंगलों में सब कुछ सूना-सूना हो जाता।

2. इसे बच्चे स्वयं करें।

पाठ 15. भगतसिंह का पत्र

रचनात्मक गतिविधि – 3

(क) मौखिक अभिव्यक्ति

1. इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चों को प्रेमचंद का साहित्य उपलब्ध कराएँ।
2. अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को कक्षा में चर्चा करने को कहें।
3. इसे बच्चे स्वयं करें।
4. इसे बच्चे स्वयं करें।
5. इसे बच्चे स्वयं करें।
6. इसे बच्चे स्वयं करें।

(ख) लिखित अभिव्यक्ति

1. बच्चों को प्रस्तुत कहानी को संवाद रूप में लिखने को कहें।
   - उन्हें बताएँ कि वे किस प्रकार कहानी का नाट्य रूपांतरण कर सकते हैं।
   - आवश्यकतानुसार बच्चों की सहायता करें।
2. घटना काल्पनिक भी हो सकती है और सत्य भी।
   - बच्चे चाहें तो पहले सुना भी सकते हैं।
3. दो-दो बच्चों को एक साथ बैठाकर उन्हें इस विषय पर चर्चा करने दें।
   - चर्चा करते समय उन्हें कहें कि साथ में कॉपी व कलम रखें।
   - जो भी बातें वे करें उन्हें थोड़ा-थोड़ा लिखते जाएँ।
   - संवाद लिखने का तरीका बताते हुए बच्चों को स्वयं इस विषय पर संवाद लिखने को कहें।
4. कक्षा में इस विषय पर चर्चा करें।
   - सभी बच्चे अपने-अपने विचार व्यक्त करें।
   - पाठ से अलग और भी दोहों पर विचार करें।
5. लिखित अभिव्यक्ति का विकास करने के लिए बच्चों को ऐसे विषयों पर लेख लिखने का अभ्यास कराएँ।
6. इसे बच्चे स्वयं करें।

(ग) क्रियाकलाप

1. जानकारी प्राप्त करने में बच्चों की मदद करें।
2. बच्चों को औपचारिक पत्र लिखना बताएँ।
   - पत्र का नमूना श्यामपट्ट पर लिखकर बताएँ।
   - बच्चों को शोध कार्य कैसे किया जाता है, सिखाएँ।

3. इसे बच्चे स्वयं करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को प्रोत्साहित करें।
   - एक या दो पंक्ति पहले स्वयं बनाकर दें।
   - तीन-चार बच्चों का समूह बनाकर उन्हें एक कविता रचना करने को भी कह सकते हैं।
   - बच्चे अपनी कविता का पाठ कक्षा में करें।
4. इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चे इंटरनेट से या किसी अन्य स्रोत से चित्रों का संकलन करें।
5. एकता की माला को मज़बूत बनाओ।
   विमान तेज़ गति से उड़ता है।
6. इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की संगीत एवं लय संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चों को 20 से 30 दोहे याद करने को कहें।
   - दोहे स्वयं बच्चों को उपलब्ध कराएँ।
   - दोहा अंत्याक्षरी के चार-पाँच चक्र बनाएँ।
   - सभी बच्चे छह से आठ का समूह बनाएँ।
   - इसे वर्ग प्रतिस्पर्धा के रूप में भी किया जा सकता है।
7. सामाजिक विज्ञान के अध्यापक/अध्यापिका या अपने माता-पिता के साथ चर्चा कर बच्चे इस प्रश्न का उत्तर लिखें।
8. इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
9. 'सालिम अली' के जीवन के बारे में जानने के लिए बच्चों को पुस्तकालय में जाने के लिए प्रेरित करें। इस प्रकार बच्चों के मन में पुस्तकें पढ़ने की रुचि बढ़ेगी और वे पुस्तकालय में पुस्तकें लेकर पढ़ने की आदत भी अपनाएँगे।

पाठ 16. वीरसिंह डरपोक

मौखिक कार्य

(क) 1. इसे बच्चे स्वयं करें।

2. बोदा महाशय को बुद्धू कहे जाने से बेहद चिढ़ थी।
3. वे अपना नाम चतुरसिंह रखवाना चाहते थे।
4. पुरोहित जी ने समझाया कि कर्म से मनुष्य अपना भाग्य भी बदल सकता है। तुम ऐसे कर्म करो कि लोग तुम्हें बोदा की जगह वीरसिंह कहने लगें।
5. बाज़ार में भैंसे के घुस आने की खबर सुन बोदा महाशय चौंके लेकिन दूसरे ही पल उनकी आँखों में चमक आ गई।
6. जब बोदा महाशय बाज़ार पहुँचे तो उन्होंने देखा कि एक काला भैंसा भूत-सा गुर्राता-गरज़ता सामने से दौड़ा आ रहा है। वे डर के मारे काँपने लगे और वीरसिंह कहलाने की लालसा उड़नछू हो गई।
7. ज़िंदादिली की परीक्षा में फेल होकर बोदा महाशय 'वीरसिंह डरपोक' कहलाने लगे।

लिखित कार्य

(ख) 1. माँ ने बोदा महाशय को बताया कि उसका वश चलता तो वह उसका नाम 'लाट साहब' रखती। लेकिन बुरा हो उस पल्टूराम पुरोहित का, जिसने नाम-संस्कार के समय पोथी-पत्रा विचारकर यह कहा कि इस बालक का जन्म बुधवा नक्षत्र में हुआ है, इसलिए इसका नाम बोदा होना चाहिए।

2. बोदा महाशय पुरोहित जी के पास उनसे लड़ने गए थे क्योंकि उन्होंने ही उनका नाम बोदा रखा था। तब पंडित जी ने कहा कि मुफ़्त का नाम ऐसा ही होता है। तुम्हारी माँ ने दक्षिणा के पैसे आज तक नहीं दिए।
3. बाज़ार पहुँचकर बोदा महाशय ने देखा कि वहाँ भगदड़ मची हुई थी। एक पागल भैंसा बाज़ार में घुस आया था। उसने हड़कंप मचा रखा था। लोग जान बचाने के लिए भाग रहे थे।
4. जब भैंसा काले भूत-सा गुर्राता-गरज़ता, सामने से दौड़कर आया तो बोदा की देह हवा में सूखी टहनी की तरह थरथरा गई। बोदा महाशय ने बगल के चबूतरे के नीचे नाली में समा जाना चाहा लेकिन भैंसे ने मौका ही न दिया। तब साहस बटोरकर बोदा शेर की तरह दहाड़कर रबड़ की गेंद की तरह उछले और भैंसे के सींग से लटक गए। भैंसे ने पैंतरा बदला। बोदा महाशय भद्द से उसकी पीठ पर आ गिरे, फिर कीचड़ सनी पीठ से फिसलकर सिर के बल ज़मीन पर लुढ़क गए। उसी समय भैंसे को पकड़ने वाले आ गए और टाँगों में रस्सी फँसाकर उसे काबू में कर लिया।
5. जब बोदा महाशय ने भैंसे से लड़कर अपनी बहादुरी का परिचय दिया तो हर कोई उनकी तारीफ़ करने लगा। लोगों ने कहा, "कमाल कर दिया, साहब! भैंसे से भिड़ंत! ऐसे शेरदिल नौजवान का नाम तो वीरसिंह होना चाहिए।" इस प्रकार उनका नाम वीरसिंह पड़ गया।

6. साँप को न मार पाने का बहाना करते हुए बोदा महाशय ने कहा कि साँप को देवता माना गया है। उसे मारने से हमें पाप लगता है।
7. साँप रबड़ का था। वीरसिंह पर जब बच्चों ने उसे फेंका तो वे इतने घबरा गए कि उनकी घिग्घी बँध गई। वे थर-थर काँपने लगे और बेहोश हो गए। लड़कों ने उन्हें सँभाला। उसी समय रबड़ का साँप दिखाकर लड़के बोले कि आप वीरसिंह भले हों, मगर बेहद डरपोक हैं। इस प्रकार बोदा महाशय 'वीरसिंह डरपोक' कहलाए।
8. कहानी के अंत में बोदा महाशय खुश इसलिए हैं क्योंकि किसी न किसी रूप में उनके नाम के साथ 'वीरसिंह' तो जुड़ ही गया।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (ख) 5. (ख) 6. (क)

(घ) 1. बोदा महाशय ने अपनी माँ से
2. पुरोहित जी ने बोदा महाशय से
3. पुरोहित जी ने बोदा महाशय से
4. लड़कों ने वीरसिंह से
5. वीरसिंह ने बच्चों से
6. वीरसिंह ने बच्चों से

(ङ) 1. माँ 2. बालक 3. लोग 4. भैंसा
5. भैंसे 6. लड़के, साँप 7. पुरोहित जी

(च) 1. प्रसिद्धि पा लेना (वाक्य बच्चे स्वयं बनाएँ।)
2. अधमरा कर देना (वाक्य बच्चे स्वयं बनाएँ।)
3. जान से मार डालना (वाक्य बच्चे स्वयं बनाएँ।)
4. बहादुरी दिखाना (वाक्य बच्चे स्वयं बनाएँ।)
5. खूब डर जाना (वाक्य बच्चे स्वयं बनाएँ।)

(छ) 1. संस्कार 2. महाशय 3. गर्दन 4. प्रदर्शन 5. निहत्थे 6. बहादुरी

(ज) 1. रात-दिन 2. चाचा-चाची 3. पाप-पुण्य 4. पति-पत्नी
5. धर्म-अधर्म 6. दादा-दादी 7. दाल-रोटी 8. ऊपर-नीचे

रचनात्मक कार्य

(झ) इसे बच्चे स्वयं करें।

पाठ 17. मानव बनो

मौखिक कार्य

(क) 1. कवि मानव को मानव बनकर जीने की प्रेरणा दे रहे हैं।
2. कवि के अनुसार परिस्थितियों से हारना या परेशान होना हमें शोभा नहीं देता।
3. कवि कह रहे हैं कि अपने अंदर एक ऐसी आग पैदा करो, जिससे सारी धरती को रोशनी मिले।
4. बच्चे कोई दूसरा शीर्षक चुन सकते हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. कवि के अनुसार सबसे बड़ी भूल है – किसी के ऊपर निर्भर रहना।
2. इसे बच्चे स्वयं करें।
3. किसी से सहायता की भीख मत माँगो।
4. कवि ऐसी हुंकार करने को कह रहे हैं, जिससे शत्रु घबरा जाएँ। वे हमारे देश पर बुरी नज़र डालने से डरें। हमारे देश को संबल प्राप्त हो। देश शक्तिशाली बने।
5. कवि कहते हैं कि अपनी आँखों से बहने वाले आँसुओं से इस धरती के कण-कण को खुशहाल कर दो।
6. धरती को हरी-भरी बनाने के लिए कठोर परिश्रम करना होगा। ऐसा परिश्रम जिससे धरती उर्वरा बन जाए और उसमें खुशहाली के सुंदर फूल खिल जाएँ।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख)

(घ) इसे बच्चे स्वयं करें।

(ङ) 1. सिंचाई 2. बनावट 3. देन 4. भूल

(च) 1. जातिवाचक 2. व्यक्तिवाचक 3. भाववाचक
4. जातिवाचक 5. जातिवाचक

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. अध्यापक/अध्यापिका बच्चों के विचार जानें।
- अपने विचार उन्हें बताएँ।
2. बच्चों के विचार जानें। उन्हें बोलने के लिए प्रोत्साहित करें।

पाठ 18. अंतरिक्ष विजय

मौखिक कार्य

(क) 1. अंतरिक्ष यात्रा का स्वर्णावसर सबसे पहले सोवियत संघ के यात्री यूरी गागरिन ने प्राप्त किया।

2. अंतरिक्ष में कृत्रिम उपग्रह रॉकेट की सहायता से छोड़े जाने लगे।
3. प्रथम अंतरिक्ष यात्री का नाम यूरी गागरिन है।
4. कल्पना चावला का जन्म हरियाणा के करनाल में हुआ था। उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा करनाल के टैगोर बाल निकेतन स्कूल में ग्रहण की।
5. कल्पना चावला के पिता चाहते थे कि कल्पना डॉक्टर या शिक्षिका बने।
6. सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर 1965 को अमेरिका के ओहियों में यूक्लिड नामक स्थान पर हुआ था।
7. सुनीता विलियम्स ने नया कीर्तिमान 16 अप्रैल 2007 को तब बनाया जब उन्होंने अंतरिक्ष में रहते हुए ही अमेरिका की प्रसिद्ध बोस्टन मैराथन दौड़ में भाग लिया। 42.195 किमी की यह दौड़ इन्होंने ट्रेड मिल पर दौड़ते हुए 4 घंटे 24 मिनट में पूरी की।

लिखित कार्य

(ख) 1. 4 अगस्त 1957 को रूस के प्रथम कृत्रिम उपग्रह 'स्पूतनिक' (बालचंद्र) को आकाश में छोड़े जाने तथा इसके बाद 'लायका' नामक कुतिया को अंतरिक्ष में भेजे जाने के परीक्षण के बाद जब यूरी गागरिन अंतरिक्ष में गए तो विश्व में अंतरिक्ष यात्रा का शुभारंभ हो गया।

2. राकेश शर्मा ने रूसी यात्रियों के साथ अंतरिक्ष में अनेक प्रयोग किए। उन्होंने अपने यान से पृथ्वी, सूर्य, चंद्रमा और अन्य ग्रहों के दुर्लभ चित्र खींचे। अंतरिक्ष में भारहीनता के कारण मानव शरीर और मस्तिष्क पर क्या प्रभाव पड़ता है इसकी जाँच की तथा भारत की प्राकृतिक संपदा के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।
3. राकेश शर्मा की अंतरिक्ष यात्रा संबंधी खोजों और उपलब्धियों के कारण सोवियत संघ ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ लेनिन' से सम्मानित किया।
4. कल्पना चावला ने कैंसर कोशिकाओं का विकास और भारहीनता की स्थिति में विभिन्न जीवाणुओं में होने वाली प्रतिक्रियाओं के बारे में विभिन्न प्रयोग किए, जिससे निश्चय ही चिकित्सा के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण लाभ हुए।
5. सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर 1965 को अमेरिका के ओहियों में यूक्लिड नामक स्थान पर हुआ। सुनीता ने 1983 में 'नीडहैम हाईस्कूल' से हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की। 1987 में यूएस नावेल एकेडमी से बी॰एस॰ फिजिकल साइंस की डिग्री प्राप्त की और 1995 में फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एम॰एस॰ इंजीनियरिंग मैनेजमेंट की डिग्री प्राप्त की।

6. सुनीता विलियम्स ने 30 प्रकार के विभिन्न विमानों पर 2700 घंटों से ज़्यादा समय तक उड़ान भरने का रिकॉर्ड, सबसे अधिक समय तक अंतरिक्ष में रहने वाली महिला का रिकॉर्ड, 22 घंटे 27 मिनट तक चहलकदमी कर सबसे लंबे समय तक स्पेसवॉक करने का रिकॉर्ड तथा अंतरिक्ष में रहते हुए बोस्टन मैराथन दौड़ में भाग लेने का रिकॉर्ड बनाया।
7. इसे बच्चे स्वयं करें।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क) 5. (क)

(घ) 1. 1957 – मानव द्वारा अंतरिक्ष यात्रा का शुभारंभ।
2. 1970 – राकेश शर्मा ने भारतीय वायुसेना में कार्यभार सँभाला।
3. 1961 – कल्पना चावला का जन्म।
4. 1994 – कल्पना को अंतरिक्ष प्रशिक्षण के लिए चुना गया।
5. 1965 – सुनीता विलियम्स का जन्म।
6. 1998 – सुनीता को नासा द्वारा अंतरिक्ष यात्री की हैसियत से चुना गया।
7. 2007 – विभिन्न शानदार रिकॉर्ड बनाने के बाद सुनीता अंतरिक्ष से पृथ्वी पर लौटी।

(ङ) 1. दान 2. दुर्भाग्य 3. कृत्रिम 4. दूर 5. निंदनीय 6. पतन
7. अकुशल 8. असुरक्षित

(च) 1. का 2. के लिए 3. से 4. की 5. पर

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।

(ज) 1. भूतकाल 2. भविष्यत् काल 3. भूतकाल 4. वर्तमान काल 5. भूतकाल

(झ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(ञ) 1. बच्चे स्वयं अपनी कल्पना के आधार पर उत्तर दें।
2. बच्चे पुस्तकालय तथा इंटरनेट की सहायता से स्वयं करें।

पाठ 20. इंसाफ़ की डगर

मौखिक कार्य

(क) 1. कल के नेता।
2. सच्चाई के बल पर।
3. सभी के लिए समान रूप से न्याय की उम्मीद करते हुए आगे बढ़ना बड़ा कठिन काम है।
4. जब देश मुश्किल में हो तब देश पर कुर्बान होकर।

लिखित कार्य

(ख) 1. कवि बच्चों को इंसाफ़ की डगर पर चलने को कह रहे हैं क्योंकि इस देश को ऐसे ही नेता की ज़रूरत है।
2. दुनिया के सारे उतार-चढ़ाव को सहते हुए, सच्चाई का साथ देकर, उसी के बल पर आगे बढ़ने पर वे संसार को भी बदल देंगे।
3. सबके लिए न्याय की माँग करते हुए कठिन राह पर सँभल-सँभलकर चलने की बात कह रहे हैं।
4. अपने तन-मन की भेंट देकर भारत की लाज रखी जा सकती है।
5. जब देश के लिए व्यक्ति शहीद होता है तो लोग उसे पूजते हैं। उसका नाम इतिहास में अमर हो जाता है। इस प्रकार अंतिम चिता में जलकर नया जीवन प्राप्त होता है।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (क)

(घ) 1. देश-विदेश 2. अपने-पराए 3. कठिन-सरल 4. जीवन-मृत्यु 5. न्याय-अन्याय

(ङ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(च) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि – 4

(क) मौखिक अभिव्यक्ति

1. इसे बच्चे स्वयं करें।
2. इसे बच्चे स्वयं करें।
3. इसे बच्चे स्वयं करें।
4. इसे बच्चे स्वयं करें।
5. बच्चों को विषय से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध कराएँ।
   - बच्चों को एक सप्ताह का समय दें।
   - बच्चे अपनी इच्छा से कृत्रिम उपग्रहों के बारे में सुनाएँ।
6. बच्चे इस विषय पर कक्षा में चर्चा करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका आवश्यक बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखें।

- इसी आधार पर बच्चे अपने विचार लिखें।
- सौ शब्दों में अपने विचार लिखें।

(ख) लिखित अभिव्यक्ति

1. इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - डींग हाँकने का क्या अर्थ है, बच्चों को समझाएँ।
   - प्रत्येक बच्चे को छोटी-से-छोटी डींग सुनाने को कहें।
   - डींग मारने की स्पर्धा भी रखी जा सकती है।
2. इसे बच्चे स्वयं करें।
3. बच्चे अपनी कल्पना से इस प्रश्न का उत्तर दें।
   - कक्षा में इस विषय पर चर्चा करें।
   - उन्हें एक-दूसरे के विचारों से अवगत कराएँ।
   - लेख सौ शब्दों से अधिक का न हो, यह ध्यान रखें।
4. बच्चे इस विषय पर कक्षा में चर्चा करें।
   - अध्यापक/अध्यापिका आवश्यक बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखें।
   - इसी आधार पर बच्चे सौ शब्दों में अपने विचार लिखें।

(ग) क्रियाकलाप

1. इस क्रियाकलाप के माध्यम से बच्चों की संगीत एवं लय संबंधी तथा शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
2. इस क्रियाकलाप को करने में इंटरनेट की सहायता ले सकते हैं। इसके अलावा विज्ञान के अध्यापक/अध्यापिका से भी जानकारी ले सकते हैं।
3. इस क्रियाकलाप के माध्यम से बच्चों की बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
4. इस क्रियाकलाप के माध्यम से बच्चों की संगीत एवं लय संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - समूह गान के रूप में इस क्रियाकलाप को कराएँ।
5. बच्चों से इनके गप्प सुनें। इससे कक्षा में मनोरंजन का माहौल उत्पन्न होगा।
6. बच्चों को समझाएँ कि शब्द-जाल किस प्रकार बनाए जाते हैं।
   - श्यामपट्ट पर उन्हें लिखकर दिखाएँ।
   - रिक्त स्थानों में ऊपर से नीचे, बाएँ से दाएँ तथा तिरछे रूप में संज्ञाओं को लिखने के बाद रिक्त बचे खानों में कोई भी वर्ण लिखकर उसे पूरा किया जा सकता है।